प्रश्न-अभ्यास

1 गंगा ने शांतनु से कहा–"राजन्! क्या आप अपना वचन भूल गए?" तुम्हारे विचार से शांतनु ने गंगा को क्या वचन दिया होगा?

2 महाभारत के समय में राजा के बड़े पुत्र को अगला राजा बनाने की परंपरा थी। इस परंपरा को ध्यान में रखते हुए बताओ कि तुम्हारे अनुसार किसे राजा बनाया जाना चाहिए था–युधिष्ठिर या दुर्योधन को? अपने उत्तर का कारण भी बताओ।

3 महाभारत के युद्ध को जीतने के लिए कौरवों और पांडवों ने अनेक प्रयास किए। तुम्हें दोनों के प्रयासों में जो उपयुक्त लगे हों, उनके कुछ उदाहरण दो।

4 तुम्हारे विचार से महाभारत के युद्ध को कौन रुकवा सकता था? कैसे?

5 इस पुस्तक में से कोई पाँच मुहावरे चुनकर उनका वाक्यों में प्रयोग करो।

6 महाभारत में एक ही व्यक्ति के एक से अधिक नाम दिए गए हैं। बताओ, नीचे लिखे हुए नाम किसके हैं?

पृथा	राधेय	वासुदेव
गांगेय	सैरंध्री	कंक

7 इस पुस्तक में भरतवंश की वंशावली दी गई है। तुम भी अपने परिवार की ऐसी ही एक वंशावली तैयार करो। इस कार्य के लिए तुम अपने माता-पिता या अन्य बड़े लोगों से मदद ले सकते हो।

8 तुम्हारे अनुसार महाभारत कथा में किस पात्र के साथ सबसे अधिक अन्याय हुआ और क्यों?

9 महाभारत के युद्ध में किसकी जीत हुई? (याद रखो कि इस युद्ध में दोनों पक्षों के लाखों लोग मारे गए थे।)

10 तुम्हारे विचार से महाभारत की कथा में सबसे अधिक वीर कौन था/थी? अपने उत्तर का कारण भी बताओ।

11 यदि तुम युधिष्ठिर की जगह होते, तो यक्ष के प्रश्नों के क्या उत्तर देते?

12 महाभारत के कुछ पात्रों द्वारा कही गई बातें नीचे दी गई हैं। इन बातों को पढ़कर उन पात्रों के बारे में तुम्हारे मन में क्या विचार आते हैं–

(क) शांतनु ने केवटराज से कहा–"जो माँगोगे दूँगा, यदि वह मेरे लिए अनुचित न हो।"

(ख) दुर्योधन ने कहा–"अगर बराबरी की बात है, तो मैं आज ही कर्ण को अंगदेश का राजा बनाता हूँ।"

(ग) धृतराष्ट्र ने दुर्योधन से कहा–"बेटा, मैं तुम्हारी भलाई के लिए कहता हूँ कि पांडवों से वैर न करो। वैर दुख और मृत्यु का कारण होता है।"

(घ) द्रौपदी ने सारथी प्रातिकामी से कहा–"रथवान! जाकर उन हारनेवाले जुए के खिलाड़ी से पूछो कि पहले वह अपने को हारे थे या मुझे?"

13 युधिष्ठिर ने आचार्य द्रोण से कहा–"अश्वत्थामा मारा गया, मनुष्य नहीं, हाथी।" युधिष्ठिर सच बोलने के लिए प्रसिद्ध थे। तुम्हारे विचार से उन्होंने द्रोण से सच कहा था या झूठ? अपने उत्तर का कारण भी बताओ।

14 महाभारत के युद्ध में दोनों पक्षों को बहुत हानि पहुँची। इस युद्ध को ध्यान में रखते हुए युद्धों के कारणों और परिणामों के बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखो। शुरुआत हम कर देते हैं–

(1) युद्ध में दोनों पक्षों के असंख्य सैनिक मारे जाते हैं।

(2) ....

(3) ....

(4) ....

(5) ....

(6) ....

15 मान लो तुम भीष्म पितामह हो। अब महाभारत की कहानी अपने शब्दों में लिखो। जो घटनाएँ तुम्हें ज़रूरी न लगें, उन्हें तुम छोड़ सकते हो।

16 (क) द्रौपदी के पास एक 'अक्षयपात्र' था, जिसका भोजन समाप्त नहीं होता था। अगर तुम्हारे पास ऐसा ही एक पात्र हो, तो तुम क्या करोगे?

(ख) यदि ऐसा कोई पात्र तुम्हारे स्थान पर तुम्हारे मित्र के पास हो, तो तुम क्या करोगे?

17 नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ो। सोचकर लिखो कि जिन शब्दों के नीचे रेखा खींची गई है, उनके अर्थ क्या हो सकते हैं?

(क) गंगा के चले जाने से शांतनु का मन विरक्त हो गया।

(ख) द्रोणाचार्य ने द्रुपद से कहा–"जब तुम राजा बन गए, तो ऐश्वर्य के मद में आकर तुम मुझे भूल गए।"

(ग) दुर्योधन ने धृतराष्ट्र से कहा–"पिता जी, पुरवासी तरह-तरह की बातें करते हैं।"

(घ) स्वयंवर मंडप में एक वृहदाकार धनुष रखा हुआ था।

(ङ) चौसर का खेल कोई हमने तो ईजाद किया नहीं।

18 लाख के भवन से बचने के लिए विदुर ने युधिष्ठिर को सांकेतिक भाषा में सीख दी थी। आजकल गुप्त भाषा का इस्तेमाल कहाँ-कहाँ होता होगा? तुम भी अपने दोस्तों के साथ मिलकर अपनी गुप्त भाषा बना सकते हो। इस भाषा को केवल वही समझ सकेगा, जिसे तुम यह भाषा सिखाओगे। ऐसी ही एक भाषा बनाकर अपने दोस्त को एक संदेश लिखो।

19 महाभारत कथा में तुम्हें जो कोई प्रसंग बहुत अच्छा लगा हो, उसके बारे में लिखो। यह भी बताओ कि वह प्रसंग तुम्हें अच्छा क्यों लगा?

20 तुमने पुस्तक में पढ़ा कि महाभारत कथा कंठस्थ करके सुनाई जाती रही है। कंठस्थ कराने की क्रिया उस समय इतनी महत्त्वपूर्ण क्यों रही होगी? तुम्हारी समझ से आज के ज़माने में कंठस्थ करने की आदत कितनी उचित है?

लेखक परिचय

सी. राजगोपालाचार्य
(1878-1972)

स्वाधीन भारत के प्रथम गर्वनर जनरल रहे चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य 'राजा जी' के नाम से ज़्यादा जाने जाते हैं। राजा जी का जन्म 8 दिसंबर 1878 को तमिलनाडु के ज़िला सलेम में होसूर के पास थोरापल्ली गाँव में हुआ था। शिक्षा और पेशे से वकील राजा जी की मुलाकात गांधी जी से 1919 में हुई और गांधी जी के प्रभाव में आकर वे असहयोग आंदोलन (1920) में शामिल हो गए। शीघ्र ही राजा जी की गिनती स्वाधीनता संग्राम के दिग्गज नेताओं में होने लगी। तमिलनाडु के इस मेधावी वकील को महात्मा गांधी का 'उत्तराधिकारी' भी कहा जाने लगा था। 1937 में राजा जी को मद्रास प्रेसीडेंसी का प्रधानमंत्री बनाया गया। आगे चलकर जब 1946 में पहली अंतरिम सरकार बनी, उसमें भी वे शामिल थे। 1948 में वे देश के पहले भारतीय गवर्नर जनरल बनाए गए। उनकी सेवाओं के लिए उन्हें 1954 में 'भारत रत्न' की उपाधि दी गई।

राजा जी बहुमुखी प्रतिभा के व्यक्ति थे। उन्होंने तमिल और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में समान उत्कृष्टता से लिखा है। विशेषकर महाकाव्यों और पुराणों पर आधारित उनकी कथाएँ बहुत लोकप्रिय हुई हैं। उनकी प्रसिद्ध पुस्तकें **रामायण** और **महाभारत कथा** तमिल के साथ-साथ अंग्रेज़ी में भी प्रकाशित हुई हैं। **महाभारत कथा** का अंग्रेज़ी से हिंदी में अनुवाद श्री पू. सोमसुंदरम् ने किया है।

महाभारत कथा का संक्षिप्त रूप है **बाल महाभारत कथा**।

टिप्पणी